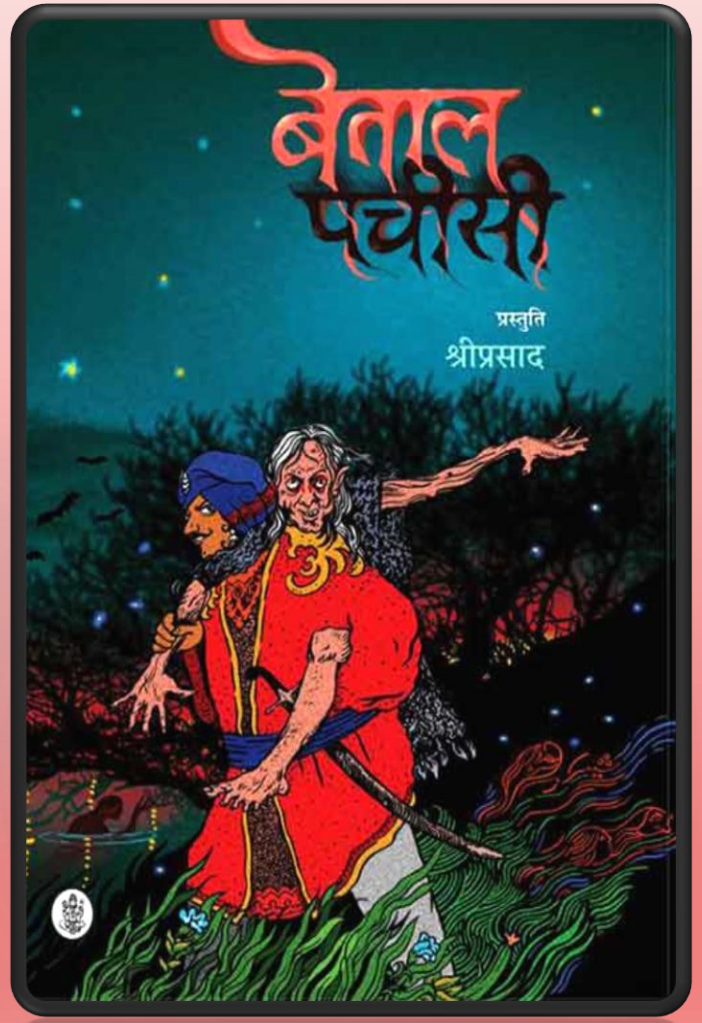

HB2932 – बेताल पचीसी

श्रीप्रसाद

श्रीप्रसाद का जन्म 5 जनवरी, 1932 को आगरा, उत्तर प्रदेश में हुआ था। प्रख्यात बाल साहित्यकार श्रीप्रसाद ने बच्चों के लिए पाँच सौ से अधिक कहानियों और पाँच हजार से अधिक कविताओं व नाटकों का सृजन किया। बाग्ला, अंग्रेजी और उर्दू से अनेक कविताओं तथा कहानियों के अनुवाद भी किए।

'बेताल पचीसी' क़िस्सागोई का अन्यतम उदाहरण है। ये कहानियाँ न सिर्फ़ मनोरंजक, रोचक और रोमांचक हैं बल्कि एक तरह की नैतिक-शिक्षा भी प्रदान करती हैं। ख़ासकर किशोर उम्र के पाठकों के मन में नैतिकता और नागरिक मूल्य-बोध के विकास में ये कहानियाँ बेहद सफल हैं और उनके स्वस्थ मनोरंजन का साधन भी।

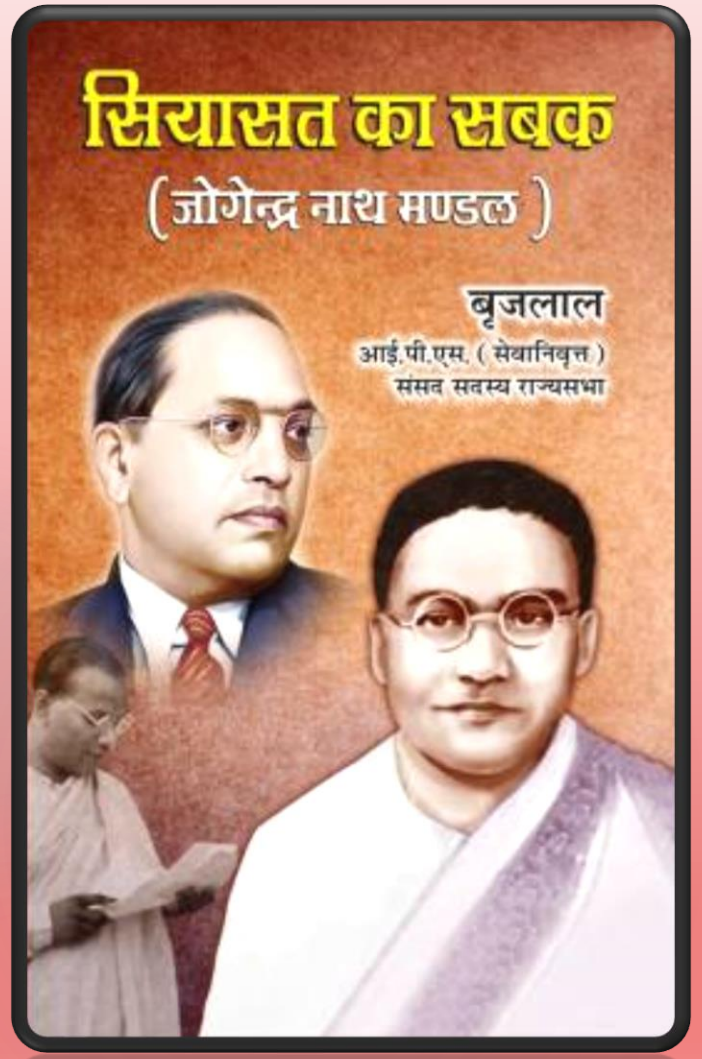

HB2935 - सियासत का सबक (जोगेंद्र नाथ मंडल)

बृजलाल

1977 बैच के आईपीएस अधिकारी और एक भारतीय राजनीतिज्ञ हैं। वह उत्तर प्रदेश से राज्यसभा में सांसद हैं। 2018 में, उत्तर प्रदेश सरकार ने उन्हें राज्य में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आयोग के प्रमुख के रूप में नियुक्ति किया। भारतीय पुलिस सेवा से निवृत्त के बाद से वह दलित राजनीति में सक्रिय हैं । वह पार्टी के मजबूत दलित नेताओं में से एक बनकर उभरे हैं ।

अतीत की गलती वर्तमान के लिए सबक और भविष्य के लिए रौशनदान होती है। इसी धारणा ने उन्हें यह पुस्तक लिखने की प्रेरणा दी। यह पुस्तक राजनीति के उस समीकरण के क्रूरतम परिणाम का अक्षरक्षः दस्तावेज़ है।

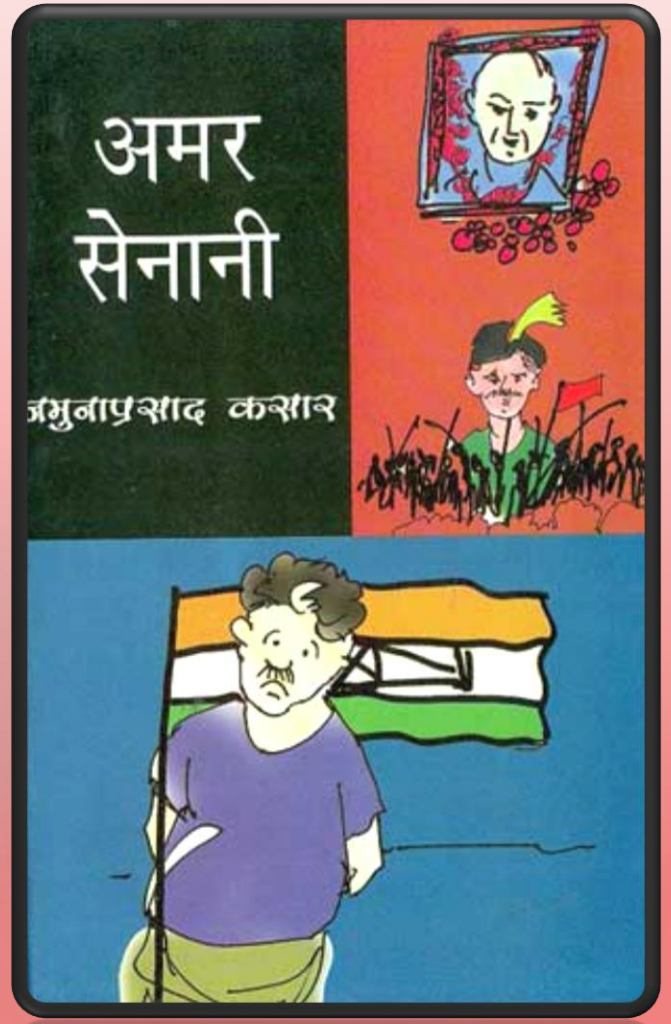

HB2928 - अमर सेनानी

जमुना प्रसाद कसार
एक शिक्षा प्राचार्य, जिला- शिक्षा अधिकारी एवं सहायक संभागीय शिक्षा अधीक्षक पदों पर कार्य करने वाले एक श्रेष्ठ लेखक माने जाते हैं। इन्होने लेखन एवं प्रकाशन: सन् 1945 से शुरू किया।

इस पुस्तिका में जिन 6 स्वंतंत्रता संग्राम सेनानियों का स्मरण किया जा रहा है जो अब तक गुमनामी की हदबंदी में रह कर नयी पीढ़ी प्रेरणा स्रोत न बन सके जबकि इतिहास को विशिष्ठ सिंहासन पर आसीन कर इनका अभिषेक किया जाना चाहिए था। ऐसे सेनानियों की कथाएं बहुत ही प्रेरणा दायक हैं।

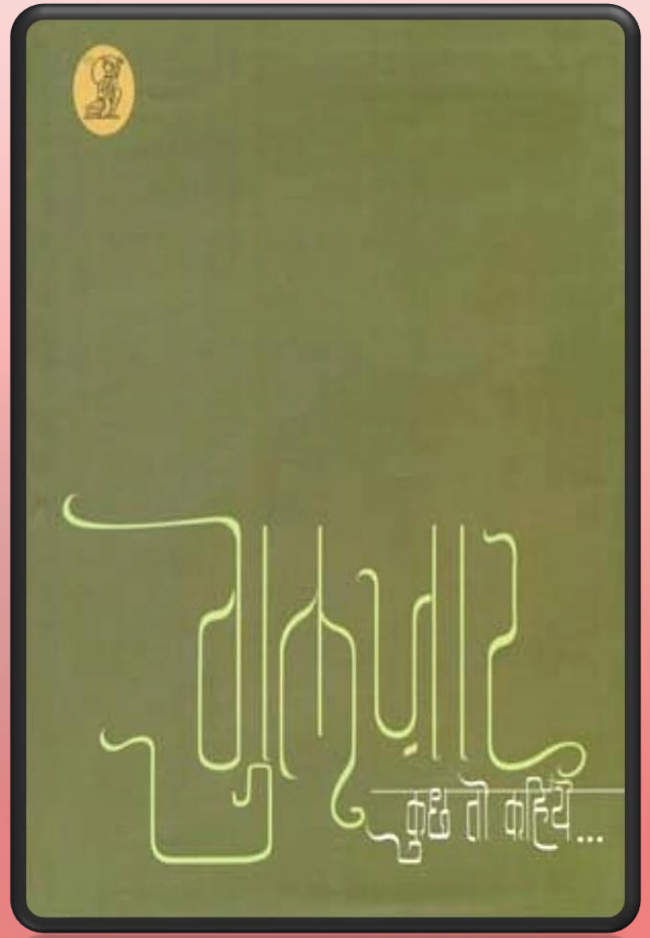

HB2906 - कुछ तो कहिए

गुलज़ार

गुलज़ार जी का असली नाम सम्पूर्ण सिंह कालरा हैं।

गुलज़ार एक प्रसिद्ध गीतकार, लेखक, कवि, पटकथा लेखक, निर्देशक एवं नाटककार हैं। गुलज़ार की रचनाएँ हिंदी, पंजाबी, उर्दू, ब्रज भाषा, मारवाड़ी, खड़ी बोली और हरियाणवी में हैं। फिल्म बंदिनी के लिए गुलज़ार ने पहला गीत लिखा था। गुलज़ार जी को अनेकों पुरस्कारों से सम्मानित किया गया हैं। जिनमे शामिल हैं. – साहित्य अकादमी पुरस्कार, पद्म भूषण, ग्रैमी पुरस्कार, दादा साहब फाल्के सम्मान, सर्वश्रेष्ठ गीत का ऑस्कर पुरस्कार आदि।

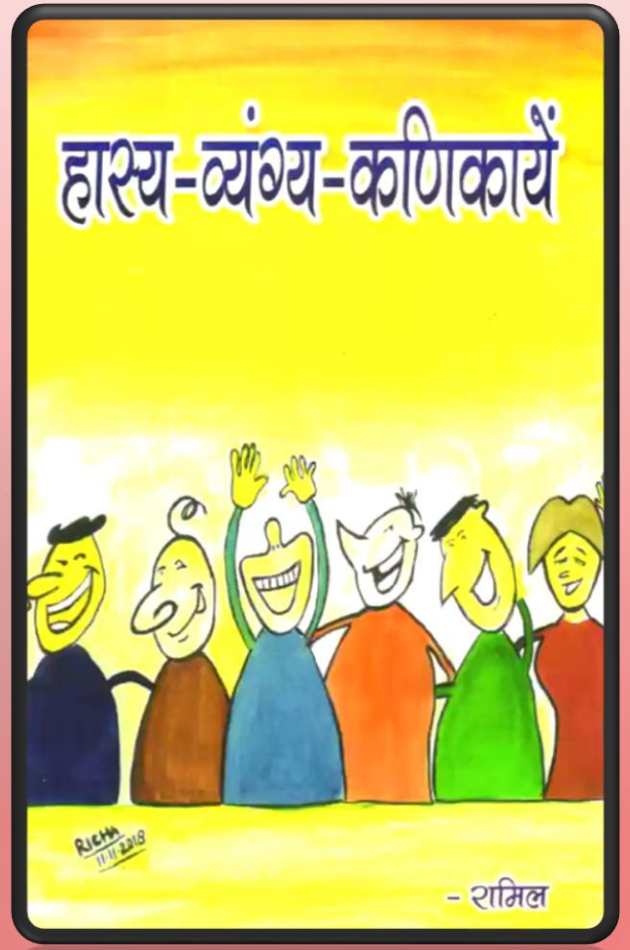

HB2925- हास्य-व्यंग्य-कणिकायें

'रामिल'(रमाकान्त तिवारी)

इस संग्रह में व्यंग कम हैं और हास्य अधिक।

पेशे से इंजीनियर व जनपद के कवि रमाकान्त तिवारी 'रामिल' की जीवन-गीत श्रृंखला की नवीनतम पुस्तक जीवन-गीत (भाग-6) व अवधी काव्य संग्रह - माटी का विमोचन जुलाई, 2019 को राजभवन लखनऊ में हुआ।